भारती इंफ्राटेल और टेरी ने जल, सफाई व्यवस्था, और स्वच्छता के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिये स्कूलों को समर्थ बनाया

दोनों संगठनों ने प्रोजेक्ट फ़्लो के सफलतापूर्वक पूरे होने और इंदौर में इसके तहत बेहतरीन काम कर रहे लोगों को सम्मानित करने के लिये एक समारोह का आयोजन किया

इंदौर, 12 अक्टूबर, 2018: जल सतत विकास का एक मुख्य आधार है। स्वच्छ पेय जल, समुचित स्वच्छता और साफ सफाई से जुड़ी सुविधाओं के उपलब्ध होने से समग्र समाज का स्वास्थ्य और पर्यावरण की निरंतरता मजबूत हो सकती है। भारती इंफ्राटेल और द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) ने 2015 में प्रोजेक्ट फ़्लो (एफएलओडब्ल्यू ––फैसिलिटेटिंग लर्निंग आन वॉश) की शुरुआत की थी जिसका उद्देश्य स्कूली बच्चों को जल, सफाई व्यवस्था और स्वच्छता (वॉश कृ वाटर, सैनिटेशन और हाईजीन) के बीच संबन्ध समझाना था। पिछले तीन साल में परियोजना के **तहत 6 शहरों के 700,000 छात्रों, शिक्षकों और समुदाय** के सदस्यों को वॉश के बारे में शिक्षित किया गया है और इसके साथ ही **63 स्कूलों** में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई है।

प्रोजेक्ट फ़्लो का उद्देश्य ज्ञान कार्यशालाओं, स्कूल और समुदाय कार्य योजनाओं के जरिये पैदा की गई जागरूकता और ज्ञान को कार्यरूप में परिणत करने के साथ ही आधारभूत साधन जैसे स्वच्छ पेयजल, जल प्लेटफार्म, शोधन प्रणाली और वर्षा जल संचयन के लिये स्कूलों में ढांचा उपलब्ध कराना है। भौगोलिक दृष्टि से परियोजना के तहत भारत के छह शहरों में से प्रत्येक के दस स्कूलों को शामिल किया गया है। ये शहर हैं कृ भुवनेश्वर, रांची, इंदौर, जम्मू, पानीपत, और गुवाहाटी।

परियोजना की समाप्ति के अवसर पर टेरी और भारती इंफ्राटेल ने आज एक समारोह 'प्रवाह– गो विद द फ़्लो' का प्रीतम लल दुआ सभा ग्रह, इंदौर में आयोजन किया। समारोह में प्रोजेक्ट फ़्लो के तीन वर्षो के सफल समापन और एक नये युग की शुरूआत को चिन्हित किया गया जिसमें हितधारक प्रोजेक्ट फ़्लो से अर्जित ज्ञान को स्कूलों, कक्षाओं, और समुदायों के दायरे से आगे बढ़ायेंगे तथा उस ज्ञान को अपने भविष्य के विचारों, आदतों और कार्यों में अपना कर उसे मुख्य धारा में लायेंगे।

इस अवसर पर, टेरी, भारती इंफ्राटेल और इंदौर में परियोजना का हिस्सा होने वाले स्कूलों और समुदायों के प्रतिनिधियों ने प्रोजेक्ट फ़्लो के दौरान निर्मित मूलभूत सुविधाओं के संचालन और रखरखाव के लिये एक निर्देशिका या गाइडबुक भी जारी की। यह गाइडबुक तीन हिस्सों में विभक्त एक बहुआयामी दस्तावेज है कृ परियोजना के दौरान की गई मूलभूत सुविधाओं संबन्धी पहल, जल शोधन उपकरण (वाटर प्यूरीफायर), भंडारण टैंक, पेयजल प्लेटफार्म, और वर्षा जल संचयन के लिये ढांचों जैसी मूलभूत सुविधाओं का संचालन और रखरखाव, और स्कूलों द्वारा उन मूलभूत सुविधाओं को बनाये रखने के प्रयास।

इस अवसर पर टेरी की अध्येता (फेलो), तरू मेहता, ने कहा, 'स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और समुचित स्वच्छता और सफाई व्यवस्था समाज की किसी भी तरह की प्रगति का आधार हैं। प्रोजेक्ट फ़्लो हमारी एक महत्वाकांक्षी परियोजना है जिसका उद्देश्य एक ऐसा समन्वित संचालन ढांचा विकसित करना

है जिसमें समाधानों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिये सरकारी अधिकारी, अर्थशास्त्री, विज्ञान और सभ्य समाज के प्रतिनिधि मिलकर काम करें।

समारोह में परिवर्तन के सभी भागीदारों कृ स्कूल, छात्र, शिक्षक, स्कूल प्रिंसिपल, स्कूल की वॉश समिति के सदस्य, और जल सेक्टर के विशेषज्ञ शामिल हुए। इस अवसर पर परियोजना से जुड़ी हस्तियों को परियोजना में उनकी भूमिका के लिये सम्मानित भी किया गया।

टेरी के बारे में

द एनर्जी एंड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (टेरी) भारत और तीसरी दुनिया के देशों में सतत विकास के लिये शोधकार्यो के प्रति समर्पित एक प्रमुख विचारक मंडल (थिंक टैंक) है। वर्ष 1974 में स्थापित टेरी पर्यावरणीय नियमन और सतत विकास पर शोधकार्य, विचार विमर्श और विचारक नेतृत्व देने वाला एक प्रमुख संस्थान बन चुका है।

संस्थान उन विचारों को अमल में लाने को प्रतिबद्ध है जो जलवायु परिवर्तन की दिशा में कार्य करने को प्रेरित करते हैं।

भारती इंफ्राटेल के बारे में :

भारती इंफ्राटेल दूरसंचार टावर और संबंधित बुनियादी ढांचा साझा करने वाली सेवाओं का प्रदाता है। भारती इंफ्राटेल और इंडस के स्वामित्व वाले और संचालित टावरों की संख्या के आधार पर यह भारत भर में सबसे बड़े टावर अवसंरचना प्रदाताओं में से एक है, जिसका पता भारती इंफ्राटेल की इंडस में 42 प्रतिशत इक्विटी से चलता है। भारती इंफ्राटेल और इंडस का टावरों और संबंधित बुनियादी ढांचे का अधिग्रहण, उनका निर्माण, स्वामित्व और संचालन करने का कारोबार है।

अधिक जानकारी के लिये संपर्क करें :

टेरी :

आस्था मनोचा : 8447049011 aastha.manocha@teri.res.in

एडेलमैन :

स्नेहा देव : 9958000706 Sneha.Dev@edelman.com